C406

Total Pages : 4 Roll No. .....

MASL-505

वेद एवं निरूक्त भाग-02

MA Sanskrit (MASL)

Second Semester Examination, 2022 (June)

Time : 2 Hours] **Max. Marks : 80**

नोट : यह प्रश्नपत्र अस्सी (80) अंकों का है जो दो (02) खण्डों क तथा ख में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है।

(खण्ड-क)

(दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए बीस (20) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल दो (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (2×20=40)

1. उपनिषद् शब्द की व्युत्पत्ति करते हुए इसके महत्त्व और प्रतिपाद्य विषय पर विस्तारपूर्वक प्रकाश डालिए।

अथवा

पाणिनीय शिक्षानुसार वर्णोच्चारण में स्थान, प्रयत्न, स्वर, गुण, और दोष की भूमिका को स्पष्ट कीजिए।

2. मुक्तिकोपनिषद् में उल्लिखित दस उपनिषदों का उल्लेख करते हुए सभी दस उपनिषदों पर टिप्पणी कीजिए।

3. वेदान्त दर्शन के विविध सिद्धान्तों के उद्भव और विकास में उपनिषदों का क्या योगदान है? स्पष्ट कीजिए।

अथवा

ईशावास्यमिदं सर्वं यत्किंचित्जगत्यां जगत्।

तेन त्यक्तेन भुंजीथा मा गृधः कस्य स्विद् धनम्।।

उपर्युक्त श्लोक की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

4. सांख्य, योग और शैव दर्शन के विविध सिद्धान्तों के उद्भव और विकास में उपनिषदों का क्या योगदान है? स्पष्ट कीजिए।

5. षड् वेदांगों का विस्तापूर्वक परिचय दीजिए।

अथवा

यजुर्वेद से सम्बन्धित शिक्षा ग्रन्थों का विस्तृत परिचय दीजिए।

(खण्ड-ख)

(लघु उत्तरों वाले प्रश्न)

नोट : खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरों वाले प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए दस (10) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल चार (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं। (4×10=40)

1. उपनिषदों का वेदानुसार और विषयानुसार वर्गीकरण कीजिए।

अथवा

"मोक्ष" की अवधारणा पर अपने विचार व्यक्ति कीजिए।

2. उपनिषदों की वर्णन शैली/प्रतिपादन शैली/विधि को परिभाषित कीजिए।

3. प्रमुख अठारह उपनिषदों का वेदानुसार वर्गीकरण कीजिए।

4. ऋग्वेदीय और सामवेदीय उपनिषदों का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

ईशावास्योपनिषद् में आत्मज्ञान से शून्य व्यक्ति की निन्दा करते हुए क्या कहा गया है?

5. कृष्ण यजुर्वेदीय और शुक्ल यजुर्वेदीय उपनिषदों का सामान्य परिचय दीजिए।

अथवा

आत्मज्ञान के महत्त्व को स्पष्ट कीजिए।

6. उपनिषद् के आधार पर कर्मफल और पुनर्जन्म के मर्म को अपने शब्दों में स्पष्ट कीजिए।

7. द्वैतवाद और अद्वैतवाद को स्पष्ट कीजिए।

अथवा

महर्षि पाणिनी का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

8. ऋग्वेद से सम्बन्धित शिक्षा ग्रन्थों का परिचय दीजिए।

अथवा

ईशावास्योपनिषद् में आत्मा का स्वरूप कैसा प्रतिपादित किया गया है?